प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

जनजातीय महिलाओं के लिए दुग्ध आधारित उत्पादों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

पंतनगर। 11 फरवरी 2026। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के कृषि संचार विभाग द्वारा आईसीएआर द्वारा वित्तपोषित जनजातीय उप योजना के अंतर्गत 'दुग्ध आधारित मूल्य संवर्धित उत्पादों के विकास एवं उनके विपणन के माध्यम से जनजातीय महिलाओं का सशक्तिकरण' विषय पर दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सितारगंज ब्लॉक के सिसोना गाँव की अनुसूचित जनजाति महिलाओं ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. जितेन्द्र क्वात्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डा. सुभाष चंद्र; निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल; प्राध्यापक प्रसार शिक्षा डा. निर्मला भट्ट तथा पशु चिकित्सा महाविद्यालय के एसोसिएट प्राध्यापक डा. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन जनजातीय उप योजना की प्रधान अन्वेषक डा. अर्पिता शर्मा कंडपाल द्वारा किया गया। तकनीकी सत्रों के दौरान डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने 'स्वच्छ दुग्ध उत्पादन का महत्व' विषय पर व्याख्यान देते हुए दुग्ध उत्पादन में स्वच्छता एवं गुणवत्ता मानकों की आवश्यकता पर बल दिया। डा. अजय प्रभाकर ने 'दुग्ध उत्पादन में चारे का महत्व' विषय पर व्याख्यान देते हुए दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं पशुओं के स्वास्थ्य सुधार में संतुलित आहार की भूमिका स्पष्ट की। सत्र में डा. अनीता आर्या द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें छेना, बर्फी, पेड़ा, आइसक्रीम तथा फिंगर मिलेट (मंडुआ) लस्सी जैसे दुग्ध आधारित मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्माण का प्रदर्शन किया गया। डा. सुनील कुमार ने 'स्वच्छ दुग्ध उत्पादन हेतु पशु प्रबंधन एवं देख–भाल' विषय पर व्याख्यान देते हुए पशुओं की उचित देख–भाल एवं रोग नियंत्रण के उपायों पर प्रकाश डाला। डा. जे.पी. जायसवाल ने दुग्ध उत्पादों के मूल्य निर्धारण, विपणन चैनलों एवं प्रचार–प्रसार से संबंधित प्रभावी विपणन रणनीतियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। डा. निर्मला भट्ट ने बताया कि दुग्ध उत्पादों के माध्यम से किस प्रकार मूल्य संवर्धन कर महिलाओं की आय में वृद्धि की जा सकती है। डा. अर्पिता शर्मा कंडपाल ने बताया कि मोबाइल ऐप एवं सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाएँ किस प्रकार नवीन तकनीकों, सरकारी योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं बाजार संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकती हैं। कार्यक्रम का समापन निदेशक प्रसार शिक्षा की अध्यक्षता में आयोजित समापन सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागी जनजातीय महिलाओं ने अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए। जनजातीय उप योजना के अंतर्गत प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री एवं आवश्यक इनपुट वितरित किए गए, जिससे वे अपने घर एवं समुदाय स्तर पर दुग्ध आधारित मूल्य संवर्धित उद्यमों को प्रारंभ कर सकें। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनजातीय महिलाओं के ज्ञान, कौशल एवं आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुआ तथा उन्हें सतत आय सृजन एवं सामाजिक–आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में दुग्ध आधारित उद्यमिता अपनाने हेतु प्रेरित किया।